राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड
प्रेस विज्ञप्ति
राज्यपाल ने के.डी.एम.आई.पी.ई के स्वर्ण जयन्ती समारोह का उद्घाटन किया

देहरादून 19 दिसम्बर, 2011

उत्तराखण्ड की राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा ने आज ऑयल एण्ड नैचुरल गैस आयोग के रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट क्षेत्र में प्रमुख संस्थान **केशव देव मालवीय पैट्रोलियम अन्वेषण संस्थान** के स्वर्ण जयन्ती समारोह का उद्घाटन किया।

पैट्रोलियम अन्वेषण के क्षेत्र में अत्यन्त महत्वपूर्ण व प्रमुख इस संस्थान के स्थापना के गौरवशाली 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इस संस्थान के भवन में दो दिवसीय गोष्ठी तथा तकनीकी प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी है। जिसका विषय रखा गया है–**''हाईड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन इन इंडिया : जर्नी थ्रू लास्ट फिफ्टी ईयर्स एंड विजन फिफ्टी ईयर्स हेन्स''**

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में राज्यपाल ने 1962 में रिसर्च एवं ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के रूप में स्थापित हुए इस प्रतिष्ठित संस्थान के 50 वर्षों की उल्लेखनीय सफल यात्रा को स्मरण करते हुए बताया कि पैट्रोलियम अन्वेषण के क्षेत्र में संभावनाओं के विस्तार से लेकर निरंतर गतिमान इस संस्थान को 1971 में **'पैट्रोलियम अन्वेषक संस्थान'** के रूप में जाना गया।

राज्यपाल ने भारतीय पैट्रोलियम उद्योग के जनक के रूप में ख्यातिप्राप्त पंडित केशव देव मालवीय को स्मरण करते हुए कहा कि ओ.एन.जी.सी. भारत सरकार के नवरत्नों में एक है, के.डी.एम.आई.पी.ई. ओ.एन.जी.सी. के ताज का एक बहुमूल्य रत्न है। उन्होंने बताया कि पूर्व तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गाँधी ने 1981 में पंडित केशव देव मालवीय के सम्मान में उनके नाम पर इस संस्थान का नाम के.डी.एम.आई.पी.ई. रखा। राज्यपाल ने कहा कि ओ.एन.जी.सी. को तेल व गैस उत्पादन के क्षेत्र में भारत की सबसे सफल व अग्रणी कंपनी के रूप में स्थापित करने में के.डी.एम.आई.पी.ई. के खोज एवं अन्वेषण विकास का उल्लेखनीय व बहुमूल्य सहयोग है।

राज्यपाल ने भारतीय तेल उद्योग की सफल यात्रा में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय जवाहर लाल नेहरू के दृष्टिकोण तथा पंडित केशव देव मालवीय के दृढ़ संकल्प को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताते हुए पूरे राष्ट्र की ओर से उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि स्वर्ण जयंती के इस विशेष अवसर पर आयोजित **''एक्सप्लोटैक 2011''** विगत 50 वर्षों में भारत की हाइड्रोकार्बन अन्वेषण की यात्रा तथा भविष्य योजनाओं का एक अच्छा खाका प्रदर्शित करेगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि किसी भी दबाव में आये बिना हमारा यह तेल उद्योग उत्तरोत्तर विकास करते हुए राष्ट्र का गौरव बना रहेगा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा परंपरागत रूप से दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर 05 स्मारिका, विशेषांक, शोध पत्र तथा संस्तुति पत्रों का भी विमोचन किया गया। राज्यपाल ने तेल उद्योग जगत के 50 वर्ष की विकास यात्रा की फोटों एवं पोस्टर प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। राज्यपाल के पति श्री निरंजन आल्वा भी उनके साथ थे।

आज के कार्यक्रम में ओ.एन.जी.सी. के सी.एम.डी. श्री सुधीर वासुदेवा, निदेशक एक्सप्लोरेशन श्री एस. वी.राव, श्री पी.के. भौमिक, श्री थॉमस, श्री एस.एन.सिंह भी उपस्थित थे।

——————0——————

सूचना अधिकारी, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड मो0 9456590619, का0 0135 2756172